अनौपचारिक शिक्षा योजना की समीक्षा

1780. **श्री ईश दत्त यादव :** क्या **मानव संसाधन विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अनौपचारिक शिक्षा हेतु विद्यार्थियों का प्रवेश संतोषजनक नहीं है ;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ;

(ग) क्या सरकार ने इन योजनाओं की समीक्षा करवायी है ;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और

(ङ) यदि नही, तो उनकी समीक्षा न करवाए जाने के क्या कारण हैं?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग) में उपमंत्री (कुमारी शैलजा) : (क) जी, नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) जी, हां । राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986, कार्य योजना 1992 और उसके प्रत्युत्तर में प्राप्त सूचना के अनुसरण में, इस योजना की समीक्षा की गई और 1987 में और फिर पुन. 1993 में इसे संशोधित किया गया।

(घ) संशोधित योजना में परियोजनाकरण, प्रबंध का अधिक वित्तीय और प्रशासनिक विकेन्द्रीकरण, गहन प्रशिक्षण, तकनीकी अध्ययन सामग्री के विकास और अनौपचारिक शिक्षा पाठ्यक्रमों की सीमिस्टर पद्धति तैयार करने की परिकल्पना की गई है। लागत मानदण्डों को संशोधित किया गया है और लड़कियों के अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों का अनुपात 25 : 75 से बढ़ाकर 40 : 60 कर दिया गया है, महिला-शिक्षा केन्द्रों, प्रशासनिक और संशोधन सहयोग के लिए केन्द्रीय सहायता का स्वरूप 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत कर दिया गया है, जबकि लड़कियों के केन्द्रों के लिए 90 प्रतिशत है।

(ङ) प्रश्न नहीं उठता।

Purchase of Nizam's Jewellery

1761. SHRI INDER KUMAR GUJRAL: Will the Minister for HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have recently purchased Nizam's Jewellery collection at a cost of about Rs. 217 crores.

(b) if so, what are the details thereof and the reasons that have prompted Government to go in for purchases; and

(c) whether Government propose to establish a special museum for display of jewellery and other valuable items in Delhi and Hyderabad?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPTT. OF EDUCATION AND DEPTT. OF CULTURE) (KUM. SELJA):(a) Yes. Sir.

(b) The Supreme Court in its order dated 20.10.94, gave option to the Central Government for purchase of 173 jewellery items by making payment in lump sum by 31.12.94 and subsequently in their order dated 29-12-94 extended time upto 16.1.95. The Government has acquired 173 items of jewellery belonging to the two trusts of the erstwhile Nizam of Hyderabad. A sum of Rs. 180,37,33,959/- and 6 per cent interest theroen from 27.7.91 to 10.1-95 was paid to the trusts. The Government decided that the jewels/jewellery of the Nizam being art treasures and heritage items should not be allowed to be taken out of the country and they should be acquired by the Government for public view.